शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

माह- अगस्त 2022

अंक- ३

सामाजिक, शैक्षिक, नैतिक और देशभक्ति गीतों का नया संग्रह

गीतांजलि सृजन

मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

#9458278429

53

तर्ज- हमको हमीं से चुरा लो
स्कूल चलो अभियान

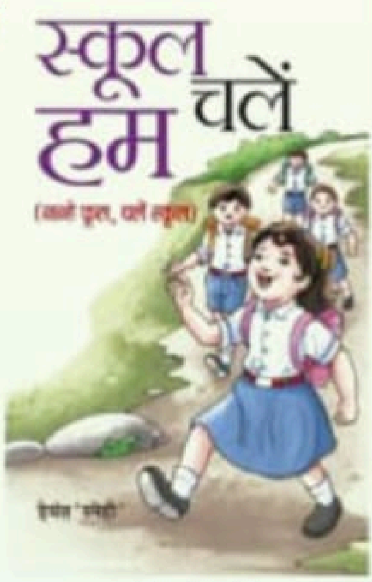

अज्ञानता को मिटा लो,
अपना भविष्य तुम बना लो।
रह न जाये कोई बच्चा,
स्कूल में एडमिशन करा लो!
अज्ञानता को मिटा........

कोई न छूटे, संकल्प न टूटे
शिक्षा के कारण, सपना न टूटे।
जरा स्कूल तो तुम भेजो,
कोई अज्ञान न रह जाये।
नन्हें बच्चों के दिल में,
कोई अरमान न रह जाये।।

जो बच्चे पढ़ते हैं,
जो पढ़ जायेंगे।
पढ़ कर के अपना,
जीवन महाकाएँगे।।

मुट्ठी भर सपनों से तुम,
अब ये उड़ान जरा भर लो।
कल क्या हो किसने देखा,
एडमिशन आज ही करवा लो।।

जब बच्चे न पढ़ पाते,
अशिक्षित ही रह जाते।
उनको तुम शिक्षित बना लो,
अज्ञानता को मिटा..........

आओ न आओ जी,
एडमिशन ले लो जी।
स्कूल आओ भविष्य तुम बना लो,
अज्ञानता को मिटा ....

रचना- पूजा दुबे (स०अ०)
प्रा० वि० बिहारा-1
क्षेत्र व जनपद- चित्रकूट

54

(तर्ज- तेरा साथ है तो..)

मिशन गीत

मिशन साथ है तो, नहीं कुछ कमी है,
सकारात्मक सोच भी बढ़ रही है।
संवाद से ही जिन्दगी थमी है,
शिक्षण हो कैसा यही कह रही है।।
मिशन साथ है...

विमल त्याग ने इसको संवारा,
बनाया है देखो कुटुम्ब कितना प्यारा।
मिला मोतियों को यह माला बनी है,
मिशन के उजाले किए चाँदनी है।।
मिशन साथ है.....

अविरल धारा ज्ञान की बह रही है,
नवाचार की लहर चल पड़ी है।।
लक्ष्य मानवता के कल्याण का है,
लड़ाई सदा सम्मान की रही है।।
मिशन साथ है....

मिशन से कदम तुम मिलाकर तो देखो,
सपने दृष्टि में यह सजा कर तो देखो।
आशा नयी सबके मन में जगी है,
शिक्षा के उत्थान की लगन भी लगी है।।
मिशन साथ है...

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि
दिनांक- 03/08/2022
दिन- बुधवार

55

तुम अगर पेड़ पौधे लगाते रहो
तर्ज:- तुम अगर साथ देने का

तुम अगर पेड़-पौधे लगाते रहो,
मैं तुम्हें हरियाली दिलाता रहूँ।
तुम पृथ्वी को मेरी बचाते रहो,
साँस बनके मैं साथ निभाता रहूँ।।

मैंने हर जीव जन्तु को छाया है दी,
वृक्ष बनके अपनी काया है ली।
तुम घर-आँगन में लगाते रहो,
मैं रोगों से तुमको बचाता रहूँ।।

मुझसे पाते हो तुम देख लो लकड़ी,
दरवाजा बने कभी तो छड़ी।
नित वन की संख्या बढ़ाते रहो,
मैं हर एक कदम काम आता रहूँ।।

जंगली जानवर का ठिकाना हूँ मैं
मिट्टी को कटने से बचाता हूँ मैं।
तुम अँधाधुन्ध न दोहन करो,
मैं धरती को स्वर्ग बनाता रहूँ।।

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्रा० वि० मणिपुर
क्षेत्र- ऐरायां, जनपद- फ़तेहपुर

56

तर्ज- जीना है तो हँस के जियो...

करना है तो गुरुभक्ति कर....

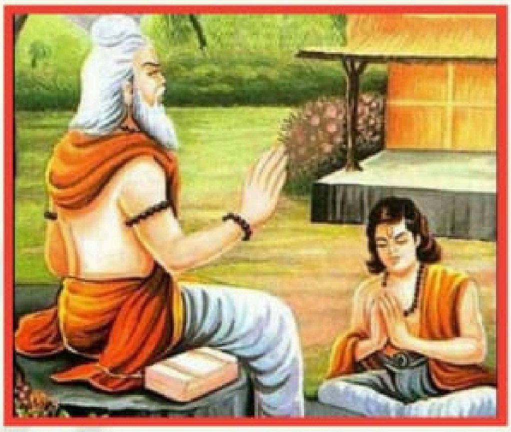

करना है तो गुरुभक्ति कर,
गुरु बिन कोई ज्ञान पावै न,
गुरु की कृपा, से सब कुछ मिले,
गुरु ज्ञान से दु:ख आवै न।।
करना है तो..................

गुरु-ज्ञान से दिव्य-चक्षु खुलें,
गुरु से ही जीवन में अवसर मिलें।
सम्मान कर तू गुरु का सदा,
होगा सुखी, पावै सम्पदा।।
गुरु माँ के जैसा छाया करे,
इस छाया में दु:ख होवै न।।
गुरु की कृपा से............

जीवन में जो भी अँधेरा जमा,
करै दूर गुरु, गलती करदे क्षमा।
देता उचित ज्ञान, गुण को भरे,
डगमग न होने दे, अच्छा करे।।
बिन गुरु के कोई न जग में बढे,
बढ़कर ही फिर छोभ पावै न।
गुरु की कृपा से..............
करना है तो गुरुभक्ति कर......

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्राथमिक विद्यालय बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी (उ०प्र०)

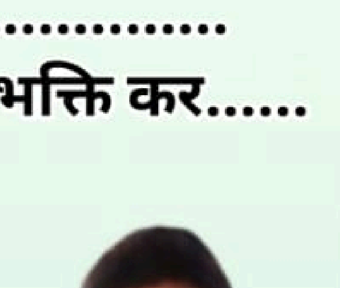

ईश वन्दना

तर्ज- सुबह-सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु...

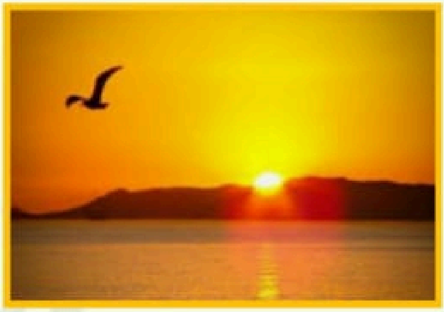

सूरज की किरणों ने छटा बिखरायी है,
सुन्दर, नीलगगन देता दिखलायी है।
लाल, लालिमा सारे गगन में छायी है,
जीव-जन्तुओं को प्रभात सुखदायी है।।..

हर दिन हमको जल, वायु भी शुद्ध मिले,
एक-एक श्वास में हवा हमें पेड़ों से मिले।
फल अनेक प्रकृति में सुगन्धित फूल खिले,
धरती पर हो खुशहाली, हरियाली मिले।..2
स्वर, मधुर खग, ईश वन्दना गायी है।
फसल कृषक की खेतों में लहरायी है।।...

माया, मोह में कहीं बहक नहीं जाएँ हम,
अपने कर्तव्यों को सदा निभाएँ हम।
झूठ, लोभ-लालच को नहीं अपनाएँ हम,
मानव जीवन को अनमोल बनाएँ हम।...2
अन्तर्मन में प्रभु ने भक्ति जगायी है,
प्रभु की कृपा ने ही यह राह दिखायी है।।...

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे०- मथुरा, जिला- मथुरा

58

यातायात के नियम

तर्ज- तू.. तू है वही, दिल ने जिसे अपना कहा।

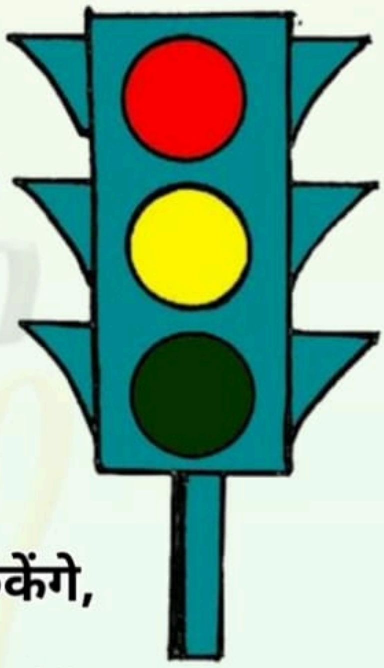

ये सुन लो सभी, वादा ये कर लो अभी,
ट्रैफिक नियम मानें सभी,
नहीं तो मिलेगी फिर सबको सजा।
बाइक पे बैठें कभी, तो हेलमेट पहनें सभी,
रफ्तार भी हो सही, तब तो आयेगा मजा।।

बाएँ हाथ पर अपनी गाड़ी रखेंगे,
दाहिनी तरफ से ओवरटेक करेंगे।
मानें नियम सभी, यह वादा करो अभी,
भूलेंगे ना ये कभी, नहीं तो पाएँगे सजा।।

हो जो लाल बत्ती, सभी हम रुकेंगे,
पीली जलेगी, तो तैयार होंगे।
हरी जब जलेगी, तो हम सब चलेंगे,
जेबरा क्रॉसिंग पर, ही पैदल चलेंगे।।
मानें नियम सभी, यह वादा करो अभी।
भूलेंगे ना ये कभी, नहीं तो पाएँगे सजा।।

लाइसेंस हमेशा, साथ हम रखेंगे,
पीकर कभी ना, ड्राइविंग करेंगे।
मानें नियम सभी, यह वादा करो अभी।
भूलेंगे ना ये कभी, नहीं तो पाएँगे सजा।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
क्षेत्र- धनीपुर, अलीगढ़, उ०प्र०

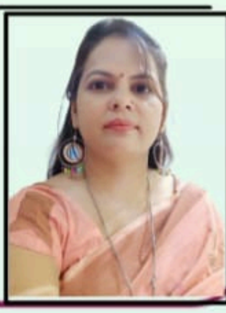

59

साक्षरता गीत

तर्ज़- जइसे रोज आवेलू तू टेर सुन के

पढ़-लिख साक्षर बना सब जन हो,
भारत तरक्की करी अनुपम हो।।

पढ़-लिख कुशलता से हर काम करिह,
हर एक सपना के आपन पूरा करिह।
गौरव देशवा के तोहहीं हो,
समृद्धि देइ जइब तोहहीं हो।।
पढ़-लिख साक्षर...........

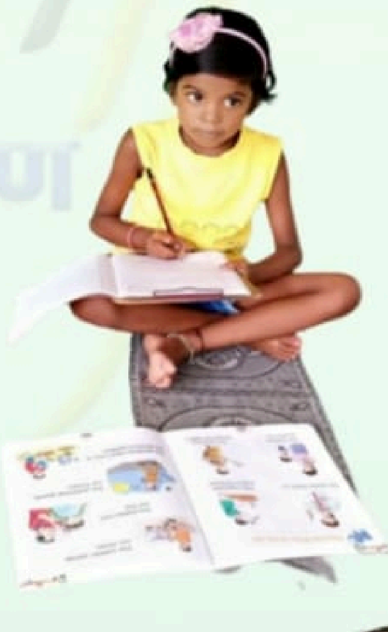

आयल तकनीकी युग होई हो विकासवा,
दुनिया में गूँजी अपने देशवा के यशवा।
करिह पढ़ाई खूब मन से हो,
देश हित काज करिह हर दिन हो।।
पढ़-लिख साक्षर...........

देश के भविष्य बेटा-बेटी बात साँचे,
अरमान देशवा के तोहहीं से बाटे।
लहराय देशवा के परचम हो,
बजी पूरी दुनिया में सरगम हो।।
पढ़-लिख साक्षर..........

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
क्षेत्र- बड़ागाँव, जनपद- वाराणसी

60

तर्ज़- सात फेरों के सातों वचन...

सृष्टि का आधार बेटियाँ..

बेटियों से महके घर और आँगन,
जग वालों ये भूल न जाना।
इनसे ही खिलता घर का चमन,
खुशियों से इनका जीवन सजाना।।

अपने बाबा के आँखों की ज्योति,
प्रीत से कर दे कंकर को मोती।
गंगा जैसी ये निर्मल पावन,
इसकी दुनिया कनक सी सजाना।।

माँ की परछाई होती है बेटी
लाज दोनों कुलों की है ढोती
माँ के आँचल में बीता बचपन,
प्यार से इनका जीवन महकाना।।

धन्य है ऐसी भारत की नारी,
जो निभाती है हर जिम्मेदारी।
इनके चरणों में है अभिनन्दन,
हर जगह ऐसे डंका बजाना।।

लोपा, गार्गी या झलकारी बाई,
सीता, सावित्री या लक्ष्मीबाई।
त्रेता, द्वापर या कलयुग सभी ने,
इन शक्तियों की महिमा है गायी,
इनका करके हम-सब अनुसरण,
ज्ञान का दीप ऐसे जलाना।।

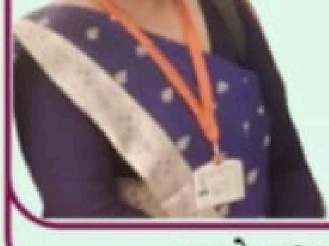

रचना
शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मुर्धवा
म्योरपुर, सोनभद्र

61

तर्ज़- परदेशियों से न अँखियाँ मिलाना......

गुड टच बैड टच

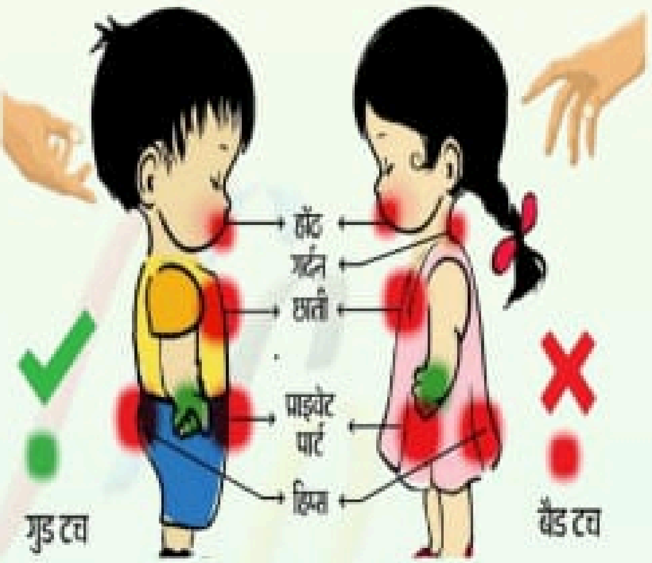

बच्चों! तुम्हें एक बात है बताना,
बच्चों! तुम्हें एक बात है बताना।
जब चाहे कोई तुम्हें हाथ लगाना,
बच्चों! तुम अपनी माँ को बताना।।

बातों में उसकी तुम नहीं आना,
बच्चों! तुम्हें...

इनके इरादे नेक नहीं होते,
ये मनुष्य अच्छे नहीं होते।
अकेले में इनके साथ नहीं जाना,
बच्चों को अपने यह सिखलाना।।

मामा हो या हो चाचा हमारे,
चाहे रिश्तेदार हों सारे।
इनकी बातों में तुम नहीं आना।
इनकी हरकत सबको बताना,
बच्चों! तुम्हें एक बात बताना।।

गुप्त अंग में हाथ लगाते,
माँ को न बताना यह समझाते।
इनके डराने से न तुम डर जाना,
1090 पर फोन तुम लगाना।।

बच्चों को अपने यह सिखाना,
चाहे जब कोई तुम्हें हाथ लगाना।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

62

वीर हमारा

(रक्षाबन्धन)

तर्ज़- प्यार हमारा अमर रहेगा...

वीर हमारा, प्राणों से प्यारा,
जाने ये सारा जहाँ।
तू रक्षक है, प्यारी बहना का,
भाई सा कोई कहाँ?

तुमको लगे ना, किसी की नजर,
फूलों भरा हो तेरा सफर।
प्यारा त्यौहार है, रक्षाबन्धन,
राखी बाँधे भाई को बहन है।-2

मेरी दुआ है, रहे तू सलामत,
चाहे बहन और क्या।
तू रक्षक है प्यारी बहनों का,
भाई सा कोई कहाँ?
वीर हमारा.....

तू है अमानत, मात-पिता की,
भाई मेरे तू, जान मेरी है।
मान रखे तू, मेरी राखी की,
बहन तेरी बस इतना चाहे।।-2

इस रिश्ते का, मूल्य न कोई,
दे पाएगा जहाँ।
तू रक्षक है प्यारी बहना का,
भाई से कोई कहाँ?
वीर हमारा........
तू रक्षक है.........

रचना

गीता देवी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मल्हौसी
बिधूना, जिला-औरैया

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 12/08/2022

दिन- शुक्रवार

63

वृक्षारोपण

तर्ज- झिलमिल सितारों का आँगन

हम सबको पेड़ लगाना होगा,
धरती पर हरियाली लाना होगा।
तब जाकर हम सबका जीवन,
सुन्दर होगा।।......2

वृक्षों से मिलता है जीवन,
हम यह सबको बताएँगे।
वृक्ष ही धरती को हमारी,
प्रदूषण मुक्त बनाएँगे।।
आओ सब मिलकर वृक्ष लगाएँ,
जीवन में अपने खुशियाँ लाएँ।।
हम सबको......

वृक्ष है धरती की शोभा,
यह हरियाली लाते हैं।
धरती पर इनसे ही जीवन,
ये प्राणवायु देते हैं।।
आओ सब मिलकर वृक्ष लगाएँ,
धरती को सुन्दर स्वच्छ बनाएँ।।
हम सबको..........

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

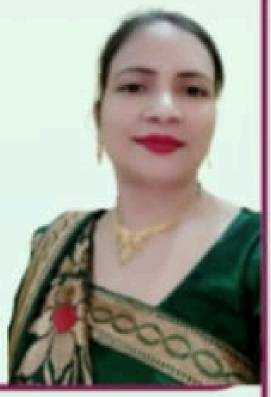

64

बालगीत

तर्ज़- सुन लो सुनाता हूँ तुमको कहानी....

आओ दिखाता हूँ गुड़िया जापानी,
देखो ना करती है कितनी मनमानी।
रे मामा, रे मामा, रे,
रे मामा, रे मामा, रे।।

ये तो है परियों जैसी नाम है शालू,
शालू के संग नाचे जोकर और भालू।
रे मामा, रे मामा, रे,
रे मामा, रे मामा, रे।।

खाती है ये तो बेसन के लड्डू,
लड्डू बनाता है हलवाई बच्चू।
रे मामा, रे मामा, रे,
रे मामा, रे मामा, रे।।

नीली है आँखे देखो काली है चोटी,
काली-काली चोटी में जड़े हीरे-मोती।
रे मामा, रे मामा, रे,
रे मामा, रे मामा, रे।।

आओ दिखाता हूँ गुड़िया जापानी,
देखो ना करती है कितनी मनमानी।
रे मामा, रे मामा, रे,
रे मामा, रे मामा, रे।।

रचना:
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

मेरे देश का जवान
तर्ज-वो है अलबेला

भारत माँ की लाज बचाने,
दुश्मनों को धूल चटाने।
सरहद पर जो खड़ा हुआ है,
गर्व से अपना सीना ताने।।
तिरंगा ही जिसकी शान है,
वो मेरे देश का जवान है....

भूल गया जो घर को अपने,
नहीं देखता सुन्दर सपने।
माता-पिता, भाई और बहना,
कहने को बस रह गये अपने।।
हर घर-घर की शान है,
वो मेरे देश का जवानहै....

छोटे बच्चे बड़े हो गये,
पैरों पर वो खड़े हो गये।
इन्तजार में रह गयी पत्नी,
नही किसी से कही ना सुनी।।
खोयी ना माँ की आन है,
वो मेरे देश का जवान है...

सीने पर गोली है खायी,
दस दुश्मनों को धूल चटायी।
उसका नहीं एक परिवार,
वो सारे भारत का लाल है।।
वीरता की वो खान है,
वो मेरे देश का जवान है...

रचना-
श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
क० वि० नारंगपुर
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

66

तर्ज: बहुत प्यार करते हैं ......

यातायात जागरूकता

पालन करें सब यातायात के नियम।
सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का कदम।।

सीट-बेल्ट पहन कर वाहन चलाएँ।
सड़क के संकेतों को दिल से निभाएँ।।
हेलमेट पहनकर अपनी रक्षा करें हम।
पालन करें...............................।।

खुद अपने-आप से वादा ये करिए।
ओवरस्पीड ओवरलोड होके न चलिए।।
होश-हवास में वाहन चलाए हम।
पालन करें……………................ ।।

ओवर-टेकिंग बहुत ही भयानक।
पल भर में मिट जाती जीवन की रौनक।।
सूझ-बूझ से दुर्घटना होगी कम।
पालन करें सब यातायात के नियम।।
सड़क सुरक्षा नियम पालन करें हम।।

रचना
शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० मुर्धवा
म्योरपुर, सोनभद्र

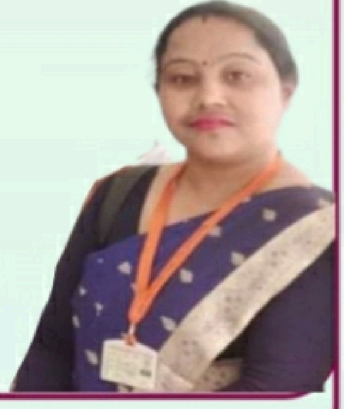

67

(तर्ज़-हमारे बाद तुम्हें अपना....)

समाज सुधार गीत

जो फैली हैं बुराइयाँ,
मिटाने कौन आएगा?
असलियत का वो आइना,
दिखाने कौन आएगा?

कहीं लपटें दहेज की हैं,
कहीं कन्याएँ सहमी हैं।
कोई तो हो जमाने को,
जो मोहन सा जगायेगा।।
असलियत का वो........
जो फैली हैं बुराइयाँ.......

न लड़ना धर्म-जाति पर,
रखो इन्सानियत ऊपर।
लहू का रंग एक जैसा,
बताने कौन आएगा?
असलियत का वो........
जो फैली हैं बुराइयाँ.......

कहीं पर चोट तन में है,
कहीं पर चोट मन में है।
दीवारें हैं जो नफरत की,
गिराने कौन आएगा?
असलियत का वो........
जो फैली हैं बुराइयाँ.......

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

68

तर्ज- तेरी बेवफ़ाई का शिकवा करूँ तो...

करें योग हम तो रहें स्वस्थ...

करें योग हम तो रहें स्वस्थ हरदम,
कोई बीमारी हमें फिर न होगी।।
तन-मन में तेरे ऊर्जा बहेगी-2,
जीवन दिशा फिर ये डगमग न होगी।।
करें योग हम तो....................

न सड़कों पै होगीं न हाटों में होगीं,
ये योगिक क्रियायें समूहों में होगीं।
यदि लोगों में हम सब प्रचारित करें तो,
तो रंग लाये मेहनत, फुलवारी होगी।।
करें योग हम तो रहें स्वस्थ.......

हम सब करें योग मिलकर, अकेले भी,
सबको सिखायें, हैं जग में झमेले भी।
न शरमाओ, जीवन सुखद निज बनाओ,
ये जीवन में तेरी, नयी नींव होगी।
करें योग हम सब...............

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर (झाँसी)

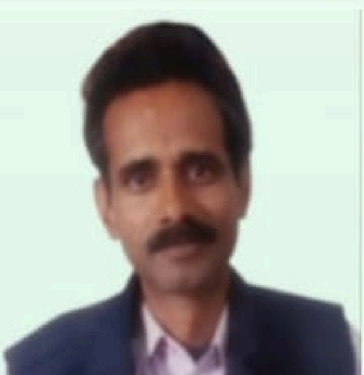

69

वृन्दावन में बसा ले
तर्ज- काया कुटिया निराली

वृन्दावन में बसा ले मुरलिया वाले,
न बसा सको तो भी कम से कम।
वृन्दावन में बुला ले मुरलिया वाले,
जीवन है तेरे हवाले मुरलिया वाले।।

हम कठपुतली......
हम कठपुतली है हाथ की तेरे,
जैसे चाहे नचा ले मुरलिया वाले।।

हम तो तेरे......
हम तो तेरे अधर की मुरली,
जैसे चाहे बजा ले मुरलिया वाले।।

तेरे भक्त की ....
तेरे भक्त की अरज यही है,
कहकर कण्ठ लगा ले मुरलिया वाले।।

राधा के प्यारे....
राधा के प्यारे ब्रज के ग्वाले,
दरस हमें भी करा दे मुरलिया वाले।।

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्रा० वि० मणिपुर
क्षेत्र- ऐरायां, जनपद- फ़तेहपुर

70

सावन का गीत

तर्ज- सावन का महीना, पवन करें शोर...

सावन है सुहाना, पपीहा करे शोर।
मन अति भावे मौसम, बारिश होवे घनघोर।।

सावन से चातुर्मास, शुरु हो रहे हैं,
ब्रज में घटाओं से नित मन्दिर सज रहे हैं।..2
पड़वा से पूनों तक, हर रंग सजे चहुँ ओर,
रंग-बिरंगी घटाओं में मन मोहे माखनचोर।।

शिव-गौरी पूजें, हरियाली तीज आवें,
स्वर्ण हिंड़ोला में बिहारीजी को झुलावें।..2
फूलों के बंगलों में, हरिदर्शन भक्तों को रोज,
देश-विदेशी गायें-नाचें होकर भाव-विभोर।।

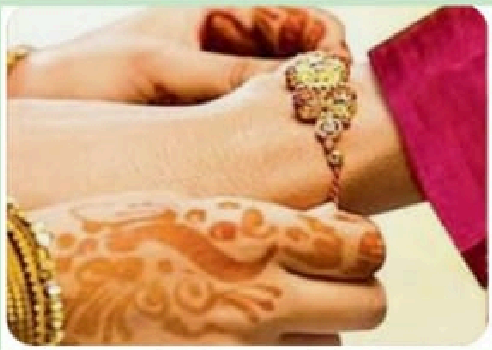

सावन में बहना को, भइया बुलावे,
सम्बन्धों में अपनापन बाँध बहना आवे।..2
घेवर, फैनी मिठाई, सेंवई, पकौड़े, भोज,
राखी बहना बाँध निभावे सम्बन्धों की ड़ोर।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे०- मथुरा, जिला- मथुरा

71

जनसंख्या नियन्त्रण
तर्ज़ - जिंदगी की ना टूटे लड़ी

जनसंख्या की समस्या है बड़ी,
कम कर ले अभी है घड़ी।
हो लम्बी-लम्बी कतारों को छोड़ो,
दो बच्चों की मौज है बड़ी।।
कम कर ले........

उन बड़े परिवारों का होना भी क्या?
जिन परिवारों में खुशियाँ ना हो।
वो परिवार, परिवार नहीं,
जिसमें सुख की निशानी ना हो।।
छोटा परिवार है खुशियाँ की लड़ी,
कम कर ले...........

हम मिलेंगे हर एक मोड़ पर,
छोटी दुनिया बसाएँगे हम।
गम की दुनिया का डर छोड़ कर,
छोटे परिवार में खुशियाँ बड़ी।।
कम कर ले...........

बड़ा परिवार है तो क्या?
छोटे परिवार से अच्छा नहीं।
खुशियाँ हैं हर मोड़ पर,
अभावों का पहरा नहीं।।
टूट जाएगी दुखों की कड़ी
कम कर ले..............

रचना-
प्रेमचंद (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसोला खुर्द(1-8)
क्षेत्र-जानी, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 23/08/2022

दिन- मंगलवार

72

शिक्षक एक राष्ट्र निर्माता

तर्ज़- चाँद जैसे मुखड़े पे बिंदिया सितारा

राष्ट्र निर्माता जिसे कहे जग सारा,
शिक्षक समाज में फैलाए उजियारा।
ज्ञान की ज्योति और संस्कार,
देता अद्भुत प्यारा।।
शिक्षक समाज में................

चुन-चुन ज्ञान के मोती अपने,
शिष्यों को बतलाए।
अच्छी राह पे ला शिष्यों को,
जगमग मन कर जाए।।
प्रेम-भाव भर शिष्यों में वह,
देता है सहारा।
शिक्षक समाज में.............

आशा और विश्वास लिए कि,
शिष्य हों अनुपम काबिल।
राह तरक्की की पा जाएँ,
बन जाएँ वो फ़ाजिल।।
शिष्य नाम चमके वसुधा पर,
जैसे है चमके सितारा।
शिक्षक समाज में............

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
क्षेत्र- बड़ागाँव, जनपद- वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 24/08/2022

दिन- बुधवार

73

तर्ज़- फ़िल्म चंद्रावल देखूँगी।

खेल-खिलाड़ी

सारे खेल खेलो तुम,
खिलाड़ी खेल खेलो तुम।

बैट से बॉल मारो तुम,
छक्के पै छक्के उड़ाओ तुम।
बीच में अड़चन आवै तो,
खिलाड़ी मत घबराना तुम।।

देश की शान है तुमसे,
युवाओं की आन है तुमसे।
खेलों की जान है तुमसे,
जीत का परचम लहराओ तुम।।

देश का गौरव बढ़ाओ तुम,
विदेशों से मेडल लाओ तुम।
जीत का जश्न मनायें हम,
खिलाड़ी खेल खेलो तुम।।

रचना
नीलम सिंह (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय रतनगढ़ी
ब्लॉक- हाथरस, जनपद- हाथरस

74

तर्ज़- झिलमिल सितारों का आँगन होगा.....

गीत- वृक्षारोपण

वृक्ष सभी को लगाना होगा,
श्रृंगार धरा का बढ़ाना होगा।
इनसे ही तो सुखमय सबका जीवन होगा।
वृक्ष सभी को लगाना होगा,
श्रृंगार धरा का बढ़ाना होगा।।

वृक्ष ही हमको देते हैं औषधि, अन्न, फल-फूल।
इनके बिना जीवन की कल्पना है करना फिजूल।
ये दाता हैं इनका कर्ज चुकाना होगा।
श्रृंगार धरा का बढ़ाना होगा।।

ये धरती ये पर्यावरण शीतल बहती ये पवन।
पर्वत, सागर, नदियाँ, झरनें, सुन्दर अपना ये चमन।
हमें अस्तित्व इनका बचाना होगा।
श्रृंगार धरा का बढ़ाना होगा।।

वृक्ष अगर न होंगे तो ऑक्सीजन कहाँ से पाओगे।
गर नष्ट हुआ ओजोन परत सोचो क्या रह पाओगे।
जागरूक सबको बनाना होगा।
श्रृंगार धरा का बढ़ाना होगा।।

रचना
सुमन सिंह (स0अ0)
उच्च प्राथमिक विद्यालय बिल्ली
वि0 क्षे0- चोपन, जनपद- सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 25.08.2022, दिन- गुरुवार

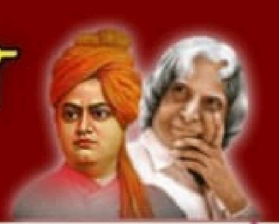

75

विज्ञान के चमत्कार...

तर्ज़- चाँदी जैसा रंग है तेरा...

उन्नति और विकास के, जो खोले है द्वार।
जीवन को है सरल बनाए, विज्ञान के चमत्कार।।

धरती, अम्बर, सागर, पर्वत, सबके भेद बताए।
सूरज, चाँद सितारों तक, भी नित नयी दौड़ लगाए।
मंगल पर भी मानवता के, है परचम लहराए....

नव सृजित तकनीकों से, सुखी किया संसार।
जीवन को है सरल बनाए, विज्ञान के चमत्कार।।

शिक्षा, कृषि, उद्योग क्षेत्र में, नयी क्रान्ति आयी।
यातायात, अन्तरिक्ष क्षेत्र में, जिसने धूम मचायी।।
नए नए उपकरण बना कर, तकनीकी फैलायी...

बीमारी को दूर भगाए, ऐसे किये आविष्कार।
जीवन को है सरल बनाए, विज्ञान के चमत्कार।।

रचना:- आर० के० शर्मा (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० चित्रवार,
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि

दिनांक- 26-08-2022

दिन- शुक्रवार

76

मिशन शक्ति

तर्ज़- परदेशियों से न अँखियाँ मिलाना..

इन लड़कियों से न अब टकराना,
इनका ही अब तो है आया जमाना।

आती है इनपे जो कोई परेशानी,
बनती है काली कोई बने भवानी।
अब न इनके दिल को दुखाना,
इन लड़कियों से न तुम टकराना।।

कोई न काम जो ये कर नहीं पाएँ
हर पथ पर ये बढ़तीं ही जाएँ।
अम्बर में इनको हैं पंख फैलाना,
इन लड़कियों से न तुम टकराना।।

इनको न समझो अब अबला नारी,
सौ-सौ पर है एक-एक भारी।
1090 को अब भूल न जाना,
इन लड़कियों से तुम टकराना।।

रचना
नरेंद्र सिंह कुशवाहा (प्र०अ०)
प्रा० वि० ज्ञानपुर प्रताप सिंह
वि०ख०- अजीतमल जनपद- औरैया

77

प्रदूषण निवारण

तर्ज- मैं जिस दिन भुला दूँ

पेड़ लगाएँ धरती पर इतने,
कहीं भी प्रदूषण यहाँ टिक न पाए।
ये धरती हमारी हो जाए निर्मल,
कहीं भी प्रदूषण यहाँ न रह पाए।।...२

जल की हर बूँद को अब है बचाना,
जल ही है जीवन, ये सबको बताना।
हमेशा रहे जल स्वच्छ और निर्मल,
जल को कोई व्यर्थ न बहाए।।

ये धरती हमारी हो जाए निर्मल,
प्रदूषण नियंत्रण के उपाय अपनाएँ।।
पेड़ लगाएँ.......

स्वच्छ वायु हमारी हो रही प्रदूषित,
दिनों-दिन धरा पर बढ़ रहा प्रदूषण।
आओ! हम मिलकर जागरुकता लाएँ,
धरती को अपनी, प्रदूषण मुक्त बनाएँ।।

हमेशा रहे धरती स्वच्छ और निर्मल,
आओ मिलकर कदम हम बढ़ाएँ।।
पेड़ लगाएँ.....

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

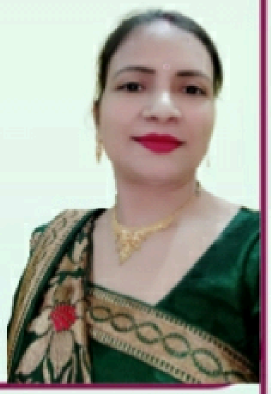

78

तर्ज - सावन का महीना, पवन करे शोर......

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत मिशन

हम सब भारत वासी,
हम नहीं किसी से कम,
स्वच्छता है बहुत जरूरी, समझाएँगे हम।।

पहला नियम है खुद साफ रहेंगे,
दूसरा नियम है घर साफ रखेंगे,
नहीं फेकेंगे कूड़ा, खुले में बाहर हम,
स्वच्छता है बहुत जरूरी, समझाएँगे हम।।

तीसरा नियम है आस पड़ोस का,
नहीं खोयेंगे कोई सफाई का मौका,
डस्टबिन का प्रयोग नित्य करेंगे हम,
स्वच्छता है बहुत जरूरी, समझाएँगे हम।।

सफाई कर अपनी रक्षा करेंगे,
किसी भी बीमारी से फिर ना डरेंगे,
शौचालय अपनाकर गन्दगी करेंगे खत्म,
स्वच्छता है बहुत जरूरी, समझाएँगे हम।।

मोदी जी ने कहा जो वह सच कर दिखाएँगे,
घर, फिर गाँव, फिर देश चमकायेंगे,
स्वच्छ भारत का निर्माण करेंगे हम,
स्वच्छता है बहुत जरूरी, समझायेंगे हम।।

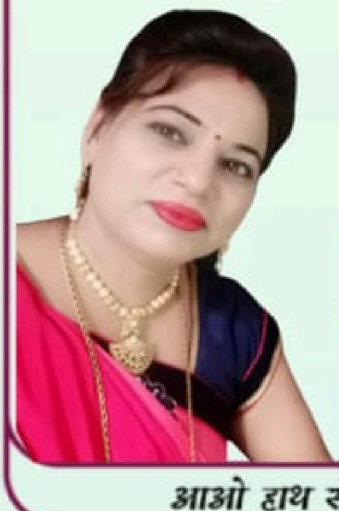

रचना

हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

79 जिन कर जियान तू पनिया

तर्ज़- पारम्परिक गीत

जिन कर जियान तू पनिया,
कि पनिया बा जिनगी क कहानिया।
हो जाई बंजर सब जमीनिया,
कि पनिया बा जिनगी क कहनिया।।

बिन पनिया कइसे धनवा रोपाई,
बिन पनिया कइसे अँगनवा सजाई।
कइसे होई बिटिया के गवनवा,
कि पनिया बा जिनगी क कहनिया।।

जिन कर जियान तू पनिया।
कि पनिया बा जिनगी क कहनिया।।

बिन पनिया दुनिया होई अन्हरिया,
पनिया बरसे से चमकी कोठरिया।
कइसे हरियर होई चमनवा,
कि पनिया बा जिनगी क कहनिया।।

जिन कर जियान तू पनिया।
कि पनिया बा जिनगी क कहनिया।।

बिन बरखा के सूख जाई धरती,
पेड़वा लगावे से मेघा बरसी।
कइसे करिहं खेती किसनिया,
कि पनिया बा जिनगी क कहनिया।।

जिन कर जियान तू पनिया।
कि पनिया बा जिनगी क कहनिया।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

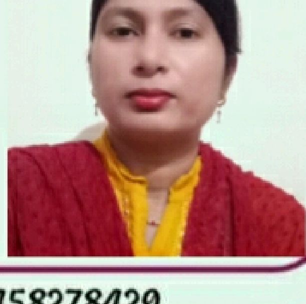

80

(तर्ज़- आदमी खिलौना है..)

बालश्रम

चैन से सोता नहीं, खुल के वो रोता नहीं।
कोमल कन्धों पे, रद्दी है बस्ता नहीं।।
देखने के लिए हैं, क्या सारे नियम।
बाल मजदूरी कब होगी खत्म?

निष्ठुर नियति के हाथों का,
शिकार बच्चे जब होते।
बनती है अभिशाप गरीबी,
बालपन तब ये खोते।।
तिल-तिल मरता है तब बचपन।
बाल मजदूरी कब होगी खत्म?

खेल-खिलौने पढ़ने का,
मन इनका करता होगा।
पर माँ-बाप के स्वार्थ का,
शिकार वो बनता होगा।।
खुशियाँ रौंदी जाती हैं, इनकी हरदम।
बाल मजदूरी कब होगी खत्म?

गली-मोहल्ले हर कहीं,
वो मासूम नजर आते।
कड़ी धूप में मेहनत कर,
भरपेट जो भोजन न पाते।।
सिसकियाँ दिल में, मन में है तड़पन।
बाल मजदूरी कब होगी खत्म?

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि सृजन

रचनाकारों की सूची

53- पूजा दुबे, चित्रकूट
54- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
55- सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर
56- जुगल किशोर त्रिपाठी, झाँसी
57- नैमिष शर्मा, मथुरा
58- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
59- अरविंद कुमार सिंह, वाराणसी
60- शालिनी गुप्ता, सोनभद्र
61- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
62- गीता देवी, औरैया
63- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
64- रुखसाना बानो, मिर्जापुर
65- भावना शर्मा, मेरठ
66- शालिनी गुप्ता, सोनभद्र
67- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
68- जुगल किशोर त्रिपाठी, झाँसी
69- सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर
70- नैमिष शर्मा, मथुरा
71- प्रेमचन्द, मेरठ
72- अरविंद कुमार सिंह, वाराणसी
73- नीलम सिंह, हाथरस
74- सुमन सिंह, सोनभद्र
75- आर० के० शर्मा, चित्रकूट
76- नरेन्द्र सिंह कुशवाहा, औरैया
77- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
78- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
79- रुखसाना बानो, मिर्जापुर
80- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- गीतांजलि सृजन टीम